

उद्देश्य (Objectives) :

- अपभ्रंश साहित्य का अध्ययन करना।
- राष्ट्र भाषा हिन्दी की मूल प्रकृति एवं प्रवृत्ति से परिचित होना।
- प्रान्तीय भाषाओं के अध्ययन को पूर्णता प्रदान करना।
- राष्ट्रीय एकता की भावना को साकार करना।
- लोक जीवन को गरिमा प्रदान करना।
- प्रजातंत्र के मूल में स्थित लोक-चेतना को हृदयंगम करना।
- अपभ्रंश भाषा में अप्रकाशित साहित्य का सम्पादन।
- शोध के नये आयाम उजागर करना।

प्रवेश योग्यता

- (Admission Eligibility) :** 18 वर्ष की आयु एवं साक्षर
अवधि (Duration) : न्यूनतम 6 माह ; अधिकतम 2 वर्ष
माध्यम (Medium) : पाठ्य सामग्री केवल हिन्दी में उपलब्ध
श्रेयांक (Credit) : 18
शुल्क (Fee) : रुपये 1000/- (रुपये एक हजार मात्र)

कार्यक्रम संरचना

(Programme Structure): इस कार्यक्रम में निम्नांकित तीन पाठ्यक्रम हैं :

क्र.सं. (S.No.)	पाठ्यक्रम का नाम (Name of Course)	पाठ्यक्रम कोड (Course Code)	श्रेयांक (Credit)
1.	अपभ्रंश साहित्य का इतिहास	सीएएल-01	6
2.	अपभ्रंश काव्य, छंद (मात्रिक) एवं अलंकार	सीएएल-02	6
3.	अपभ्रंश व्याकरण (प्रारंभिक) एवं रचना	सीएएल-03	6

परीक्षा पद्धति (Examination pattern) :

न्यूनतम अवधि समाप्त होने के बाद विद्यार्थी को लिखित सत्रांत (मुख्य) परीक्षा में सम्मिलित होना होगा। प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए तीन घण्टे का समय निर्धारित है। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा। उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में 36 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य है।

सफल विद्यार्थियों को निम्नानुसार श्रेणी प्रदान की जाएगी –

- प्रथम श्रेणी – 60 % एवं अधिक
- द्वितीय श्रेणी – 48 % या अधिक एवं 60 % से कम
- उत्तीर्ण – 36 % या अधिक एवं 48 % से कम

